85

(a&b) AP-7

दृष्टि The Vision

निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E2**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): SAKSHI GARG

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट किए गए शब्द-संख्या के अनुसार होना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: 125×2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2 = 250

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–A / SECTION –A

1. योग में बीमारी ही नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था को सुधारने की भी क्षमता है।
   Yoga has potentional not only to heal diseases but economy also.

2. अन्याय की कहीं भी मौजूदगी सर्वत्र न्याय के लिये खतरा है।
   Injustice anywhere is threat to justice everywhere.

3. निषेध की राजनीति: कम व्यावहारिक, अधिक आदर्शवादी।
   Politics of ban: More ideological less practical.

4. महिलाओं की भागीदारी से बढ़ता हुआ आर्थिक विकास।
   Increasing economic growth through women's participation.

1. ~~महिलाओं की भागीदारी~~

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4. महिलाओं की भागीदारी से बढ़ता हुआ आर्थिक विकास

"महिला वो शक्ति है, भारत की नारी है
न कम में, न ज्यादा में व भारत के
विकास में बराबर की भागीदारी है।"

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी'

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'मन की बात' में कहीं गयी ये पंक्तियां अपने आप में एक सार प्रस्तुत करती हैं, साथ ही मन में एक सवाल खड़ा करती हैं कि महिलाओं का देश के विकास में कितना योगदान है, क्या महिलाओं की भागीदारी के बगैर देश का विकास सम्भव नहीं है?

"इसी परिप्रेक्ष्य में कार्लमार्क्स ने कहा था "किसी देश का विकास किसी गति से होगा, इसका अनुमान उस देश की महिला स्थिति को देखकर ही लगाया जा सकता है।"

भारत जैसे देश हेतु तो यह कथन और भी महत्वपूर्ण व विचारणीय हो जाता है क्योंकि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हमारी लगभग 48% आबादी महिलाएं हैं।

अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर देश के विकास में महिलाओं की किस प्रकार की भागीदारी आवश्यक है? क्या नौकरी करके, अर्थव्यवस्था में शामिल होकर ही मात्र एक देश की GDP में योगदान दे सकती है, या बिना अर्थव्यवस्था मे जुड़े भी अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी हैं?

इस प्रश्न का उत्तर हमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक, नैतिक सभी आधारों पर तलाशना होगा।

यदि प्रत्यक्ष रूप से भागीदारी देखें तो महिलाओं की सेक्टर कार्यबल में सहभागिता से देश की वृद्धि तीव्र गति से बढ़ेगी। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में महिला कार्यबल की बराबर भागीदारी से देश की GDP में 27% तक की वृद्धि की जा सकती है। महिला भागीदारी से घर की आय दोगुनी हो जाएगी।

प्रत्यक्ष सहभागिता के साथ-साथ अप्रत्यक्ष सहभागिता भी अति क्रांतिकारी परिणाम ला

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सकती है - महिलाओं की सामाजिक भागीदारी। महिलाओं की शिक्षा तक पहुंच कम होने पर वे पढ़ी-लिखी, जागरूक व तार्किक आधारों पर चिन्तनशील बनती हैं। इससे बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएं कम होंगी. साथ ही महिलाएं गर्भावस्था, कुपोषण, संस्थागत प्रसव के प्रति जागरूक होंगी।

शिक्षित महिला को स्वच्छता, साफसफाई का विशेष ध्यान रहेगा क्योंकि वे कीटाणु, विषाणु इनके होने वाली संक्रमक बिमारियों को समझती हैं। आंकड़ों के अनुसार स्वच्छता के माध्यम से देश के सकल घरेलू उत्पाद में 3-7% की बढ़ोतरी की जा सकती है। क्योंकि स्वच्छता का अभिध्यान देने से कुपोषण, खेतों में शौच, डेंगू, डायरिया आदि बिमारियों पर होने वाला सरकारी खर्च कम होगा।

साथ ही गर्भावस्था के समय निर्धारित मानकों के आधार पर भोजन ग्रहण करने, समय पर स्तनपान करने से स्वस्थ, पोषित नई पीढ़ी जन्म लेगी जो आगे चलकर देश की अर्थव्यवस्था को बल प्रदान करेगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से राजनीति में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, परोपकारिता, कर्तव्यनिष्ठा, सहानुभूति, समन्वय जैसे गुणों का विकास होगा। बनायी जा रही नीतियां आम जनता, महिला दशा, बच्चों की आवश्यकता के अनुकूल होगीं क्योंकि महिलाएं घर, समाज परिवार की आवश्यकताओं को बेहतरी से समझती हैं।

यदि एक पुरुष को शिक्षित किया जाता है तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है, परन्तु एक महिला को शिक्षित करने पर पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। अर्थात् महिला सहभागिता, महिला सशक्तीकरण से पूरे परिवार का सशक्तीकरण होता है। महिलाओं की भागीदारी का अन्य आयाम पर्यावरण के संदर्भ में भी उभरता है।

वस्तुतः महिला भागीदारी से हम घर में जलाए जा रहे चूल्हों से होने वाले प्रदूषण से प्रति जागरूकता फैला सकते हैं, अतार्किक कृषि को पर्यावरण अनुकूल बना सकते हैं। घर में महिलाएं यदि बिजली का मितव्ययी तरीके से उपयोग कर, पानी की बर्बादी न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

होने दे तो हम बड़े स्तर पर पर्यावरण सुरक्षा की ओर बढ़ सकेंगे और इस तरह हुआ विकास हरित विकास होगा जिससे हरित सकल घरेलू उत्पाद व हरित अर्थव्यवस्था प्राप्त हो सकेगी।

"यदि भविष्य होगा, तो वह हरित होगा
यदि वह हरित नहीं है, तो वह भविष्य ही नहीं होगा"

वर्ल्ड बैंक की 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट' के अनुसार देश में हो रहा जलवायु परिवर्तन, आपदा, सूखा, बाढ़, प्रदूषण देश की अर्थव्यवस्था को कई गुना पीछे ले जाता है, तथा इस स्थिति को पुनः बहाल करने में वापस वर्षों लग जाते हैं। अतः देश के सतत विकास में महिला भागीदारी की अद्वितीय भूमिका है।

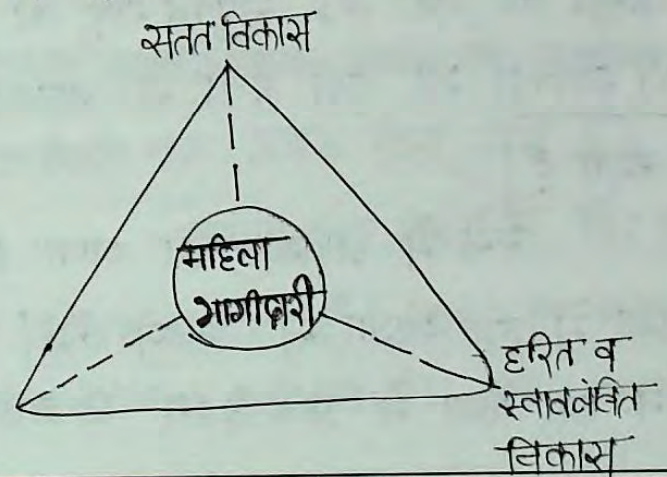

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वस्तुत: महिला भागीदारी से देश को आत्मबल प्रदान होता है, स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था, "जो कार्य 500 पुरुष दशकों में पूरा करेंगे वही कार्य मैं मात्र 50 समर्पित स्त्रियों की सहायता से कुछ वर्षों में पूरा कर सकता हूँ।"

यद्यपि आज हमारे देश की परिस्थिति चिन्ताजनक है। जनसंख्या का 48% होने के बावजूद हमारे भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी मात्र 28% है, महिलाओं की राजनीति में भागीदारी तो और गिरकर 11% हो जाती है। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का रिपोर्ट 'जेण्डर इनइक्वेलिटी गैप इण्डेक्स' में तो राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तीनों आधारों पर दयनीय स्थिति प्रस्तुत की गयी है। संयुक्त राष्ट्र की जेण्डर इक्वेलिटी इण्डेक्स भी इस तथ्य से सामञ्जस्य प्रस्तुत करती है।

भारत में वर्तमान में महिलाओं की स्थिति के सकारात्मक पक्ष को भी उल्लेख करें।

ऐसे मे आवश्यक हो जाता है कि इस दिशा में हम त्वरता से प्रयास करें। भारत सरकार ने इस दिशा में अतिसक्रियता दिखायी है.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सरकार द्वारा महिला शिक्षा, स्वास्थ्य, साक्षरता, श्रम भागीदारी, सुरक्षा, सम्मान आदि हेतु सैकड़ों योजना, नीति, कार्यक्रम लागू किए गए हैं; इस परिप्रेक्ष्य में महिला बालविकास मंत्रालय नाम से समर्पित मंत्रालय बनाया गया है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सर्व शिक्षा अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, पंचायत स्तर पर एक तिहाई आरक्षण, मनरेगा में आरक्षण, मातृत्व सुरक्षा अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वयं सहायता समूह को प्रोत्साहन, मुद्रा योजना, जेण्डर ब्लेंडिंग आदि अनेकों अनेक कार्यक्रम चलाकर महिला सशक्तीकरण करने की कोशिश की गयी है। इसके साथ ही वर्क प्लेस बिल 2012, विशाखा गाइडलाइन्स, कार्यस्थल पर यौन अत्याचार (प्रतिषेध, शोकपाम व निवारण) अधिनियम 2013, मातृत्व सुरक्षा विधेयक आदि के माध्यम से सुचारु श्रमभागीदारी का प्रयास किया गया है।

यद्यपि इस दिशा में और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। समाज की मनोवृत्ति में परिवर्तन लाना होगा। कार्यस्थल से जुड़ी महिलाओं को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है.

" पढ़िए गीता, बनिए सीता, इन सबमें लगा कर पलीता। निज घर बार बसाइए, घर की सबसे बड़ी थाली में भात भरकर पसाइए।।"

अर्थात समाज को अपनी मनोवृत्ति में परिवर्तन लाना होगा। महिला भागीदारी में सरकार, प्रशासन के साथ-साथ निजी क्षेत्र व गैरसरकारी संगठन, सिविल सोसाइटी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस परिप्रेक्ष्य में हम देश के कुछ केस स्टडी देख सकते हैं —

केस स्टडी-1 : हरियाणा सरकार द्वारा स्टील सेक्टर में जिन्दल स्टील की मदद से महिला सहभागिता बढ़ाने पर उन्हें सशक्तीकृत करने का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

केस स्टडी-2 : महाराष्ट्र में गैर सरकारी संगठनों, सिविल सोसाइटी ने घर-घर जाकर महिलाओं को मोबिलाइज किया कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत प्रशिक्षण लें। इसके परिणामस्वरूप कम पढ़ीलिखी महिलाओं की भी आर्थिक सहभागिता तेजी से बढ़ी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन अनोखे उदाहरणों को रोल मॉडल बनाकर पूरे देश में प्रचारित किया जाना चाहिए। प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया की अहम भूमिका हो सकती है। साथ ही उपरोक्त सभी प्रयासों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए जिलावार महिला सशक्तिकरण के परिप्रेक्ष्य में रैंकिंग प्रदान की जाए जिससे प्रत्येक जिला अपनी स्थिति का मूल्यांकन कर उसे और सुधारने का प्रयास प्रतिस्पर्धी तरीके से करे।

वास्तव में एक पंख से उड़ना किसी भी पक्षी के लिए मुश्किल होगा, देश के दोनों पंखों स्त्री व पुरुष की बराबर सहभागिता के माध्यम से भारतवर्ष रूप पक्षी, विश्वरूपी आकाश में ऊंची उड़ान भर सकेगा ...... और इस पथ पर अग्रसरित होकर हम जल्द ही विकासशील से आगे बढ़ते हुए विकसित भारत की कामना को साकार कर सकेंगे।

60

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. भारत को पहले खाद्य सुरक्षा फिर परमाणु सुरक्षा की आवश्यकता है।
   India needs food security first and nuclear security later.
2. जी.एस.टी.: सामान्यीकृत बाज़ार की ओर एक कदम।
   GST: A step towards common market.
3. भारत में भूजलीय क्षेत्रों का प्रबंधन: थोड़ा किया गया है, अधिक किये जाने की आवश्यकता है।
   Watershed management in India: Little done much needed.
4. ग्रामीण प्रकृति को बचाए रखते हुए गाँव का विकास।
   Developing villages while retaining its rural nature.

2. ग्रामीण प्रकृति को बचाए रखते हुए गाँव का विकास

हमारे भारतवर्ष की आत्मा गांव में बसती है, परन्तु आज आधुनिकीकरण के दौर में गांव द्वन्द्वात्मक स्थिति से गुजर रहे हैं – यह है अतीत व भविष्य के गांव का द्वन्द्व।

अतीत के गांव पर दृष्टिपात करें तो एक सुखमय छवि दिखायी देती है, खिलखिलाते सरसों के खेत, धूल उड़ाती कच्ची सड़कें, मैदानों में खेलते बच्चे, पेड़ों के नीचे बच्चों को पढ़ाते बुजुर्ग, चाक से घड़ा बनाता कुम्हार, धीमी गति से चलती सुकून भरी जिन्दगी, सड़कों के किनारे चूल्हे में बनती दाल, संयुक्त परिवार,

प्राचीन काल, अंग्रेजी शासनकाल तथा आजाद भारत में ग्रामीण परिस्थितियों का उल्लेख हो।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक व्यक्ति की खुशी में झूमता पूरा गांव नजर आता है। वहीं दूसरी ओर चिमनियों से निकलते धुएं, चमचमाती पक्की सड़कें, बड़ी-बड़ी इमारतें, सरपट दौड़ती गाड़ियाँ, एकल परिवार, पड़ोसी पड़ोसी से अनजान, तेजी से चलती जिन्दगी, वृद्धाश्रम में रह रहे माता-पिता, प्रदूषण से बिलखते बच्चे..... जैसी परिस्थिति जो आज शहरों की है, वही भविष्य के गांव की प्रतीत होती है।

अब प्रश्न यह उठता है कि हमें कैसे गांव चाहिए, हमारे सामने तीन विकल्प प्रस्तुत होते हैं-

⇒ भविष्य का शहर जैसा विकसित गांव....

⇒ अतीत का सुखमय, शांत संतुष्ट गांव....

⇒ या फिर दोनों का समन्वय

किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पक्ष-विपक्ष के आधार पर परख लेते हैं -

भविष्य का शहर जैसा विकसित गांव, जहां बड़े-बड़े स्कूल, स्वास्थ्य चिकित्सालय होंगें, बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां होगी और इससे पूरा भारत विकासशील से आगे बढ़ता हुआ विकसित होने के पथ पर अग्रसर होगा। अमेरिका, ब्रिटेन जैसे विकसित देशों की तरह हमारा भारत भी चमकता हुआ प्रतीत होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

परन्तु यह स्वप्न मात्र हो सकता है क्योंकि हमारे देश की 60% से भी ज्यादा आबादी आज भी गांव में रहती है, इतने बड़े क्षेत्र को शहरी परिभाषा के आधार विकसित करना अतिशयोक्ति होगी साथ ही यह विकास का मॉडल ब्रिटेन की संकल्पना पर तो उचित प्रकट होता है, परन्तु भारत की नही।

तो फिर..... क्या हमें अतीत के गांव से ही समझौता कर लेना चाहिए।
क्योंकि भविष्य के गांव तो

गांव ही नही रहे
ये तो शहरपन हो गए हैं
तेजी से बढ़ रहे शहरों
की इमारतें गांव की ओर सरक रही हैं
जिनके बोझ में दफनाई जा रही गांव की जिंदादिली
ये गाव तो गांव ही नही रहे .....

ऐसे भयावह पथ पर चलने से अच्छा है, हम अपनी पुरानी स्थिति से समझौता कर लें और जैसे थे, वैसे ही रहें सुख, संतोष, स्वच्छता, समन्वय, प्यार, एकता, सहानुभूति से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भरा वातावरण ही उपयुक्त है।

परन्तु आज वैश्वीकरण के दौड़ में तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। किताबें, हॉस्पिटल, न्याय, राजनीति सब एक ~~बन्द~~ मोबाइल के अन्दर समाहित होते जा रहे हैं, "और बंद बर्तन में तो पवित्र से पवित्र चीज भी सड़ जाती है।" इसलिए हमें आधुनिकीकरण के साथ ताल मेल बैठाते हुए आगे बढ़ना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में तीसरे विकल्प का मार्ग उचित प्रतीत होता है.... सामन्जस्य अर्थात् ग्रामीण प्रकृति को बचाए रखते हुए ग्रामीण विकास....।

अब हमें साध्य तो मिल गया, तो इस प्रश्न पर विचार करना चाहिए कि साध्य को पाने का माध्यम क्या हो.... । इस परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक सभी पक्षों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

ग्रामीण आर्थिक व्यवस्था सदैव कुटीर उद्योगों पर टिकी है, अतः कुटीर, लघु करघा उद्योग को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष्य में गांव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के कुटीर उद्योगों को पर्याप्त वित्त व कच्चा माल उपलब्ध कराया जाना चाहिए, साथ ही प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें आधुनिक वस्तुओं की मांग, डिजाइन आदि के बारे में बताया जाना चाहिए। खादी जो देश का प्रतीक हुआ करती थी, उसे पुनः राष्ट्रीय गौरव बनाए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए बड़ा बाजार खड़ा करना होगा, यदि खादी की ब्राण्डिंग कर दी जाए व स्कूलों, अधिकारी नेतागण की यूनिफार्म, ट्रेन, बस कर्मचारी की पोशाक सब जगह खादी अनिवार्य करें तो बड़ा बाजार प्राप्त होगा।

इसी प्रकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि को पुनः मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि हमारे किसान सम्पूर्ण देश का पेट भरने में सक्षम हो सकें और हमारी कृषि किसान भाई की जेब भरने में सक्षम हो सके। नई-नई ~~प्रौद्योगिकियों~~ प्रौद्योगिकी, अविष्कार के माध्यम से कृषि को सुरक्षित व लाभकारी बनाने की आवश्यकता है। साथ ही प्रसंस्करण उद्योग, बाजार से प्रत्यक्ष संबंध आदि करके न सिर्फ छिपी बेरोजगारी को दूर किया जा सकता है अपितु युवाओं का भी कृषि की ओर आकर्षण बढ़ाया जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गांवों में बनते मिट्टी के दियों, घड़ों के गुणों को इंटरनेट के माध्यम से प्रचारित किया जाना चाहिए जिससे इन्हें बड़ा बाजार प्राप्त हो सके, साथ ही नगर का पैसा गांव में आ सके।

ग्रामीण समाज में संस्थागत प्रसव न होने के कारण बड़े स्तर पर मातृत्व मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर, कुपोषण देखने को मिलता है। निजी उद्योगों के 'कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' के सहयोग से यहां हॉस्पिटल खोले जाएं, साथ ही पर्याप्त जागरूकता अभियान चलाया जाए जिससे संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिले। इसी तरह के कार्य शिक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, महिला सुरक्षा के संबंध में भी किए जा सकते हैं।

गांव में डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देकर शहर की सुविधाएं गांव में पहुंचायी जा सकती हैं जहां ई-शिक्षा, ई-हॉस्पिटल, ई-बाजार, ई-कृषि को बढ़ावा मिलेगा और गांव का व्यक्ति अपने परिवेश में रहते हुए ही विदेश तक की सहायता, सुख सुविधाएं प्राप्त कर सकेगा।

गांवों में क्लस्टर आधारित ग्रामीण पर्यटन का विकास किया जा सकता है। इसके लिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रोड कनेक्टिविटी, स्वच्छता, शौचालय, आरामगृह, बनाए जाने की आवश्यकता होगी साथ ही गांवों की खूबसूरती जैव विविधता, अनोखी कारीगरी आदि की ब्रांडिंग कर उसे पर्यटकों के आकर्षण लायक बनाए जाने की आवश्यकता है।

इससे ग्रामीण विकास होगा, रोजगार मिलेगा साथ ही ग्रामीण संस्कृति का विकास सुदूर तक होगा।

राजनीतिक स्तर पर ग्राम पंचायत, ग्राम सभा को शक्तिशाली बनाए जाने की आवश्यकता है गांधी जी ने अपनी वसीयत में लिखा है- "जब तक गांवों को उनकी राजनीतिक, आर्थिक स्वतन्त्रता नहीं दे दी जाती तब तक देश की आजादी अधूरी है।"

अर्थात् हमें 'नीचे से ऊपर' की ओर शासन प्रणाली बनाने की आवश्यकता है। ग्रामसभा को शक्तियां, आधुनिक संसाधन प्रदान किए जाएं जिससे वे गांव की आवश्यकताओं को भलीभांति समझकर स्वयं समाधान की रणनीति बनाएं व उसे लागू करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस आधार पर कह सकते हैं गांव को शहर में परिवर्तित करने की बजाए स्मार्ट बना दिया जाना बेहतर है।

इस विकल्प का एक और आयाम उभरता है - 'शहरों पर बढ़ता बोझ' नामक समस्या का समाधान होगा। आधुनिक सुविधाओं, रोजगार की चाहत में बड़ी ग्रामीण आबादी शहरों की ओर प्रवास कर रही है, जिससे ~~अर्बन~~ शहरी गरीबी, शहरी बाढ़ जैसे परिणाम सामने आ रहे हैं, दूसरी ओर जनांकिकी संतुलन भी बिगड़ता है अर्थात् कृषि का श्रीकरण, अकेले गांव में रहते वृद्ध आदि सभी समस्याओं का निराकरण इसी में है कि गांव में स्थानीय स्तर पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

भारत सरकार इस दिशा में तेजी से प्रयत्नशील है। इसी परिकल्पना को साकार करने हेतु महान भूतपूर्व राष्ट्रपति स्व० अब्दुल कलाम जी ने "पुरा" (प्रोवाइडिंग अर्बन फैसिलिटीज टू रुरल एरिया) का सिद्धान्त दिया। पुनः सरकार द्वारा रुरबन मिशन लाया गया जिसका तात्पर्य है 'रुरल-अर्बन मिशन'

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत सरकार ई-नाम, किसान पोर्टल, खादी विकास कार्यक्रम, मुद्रा बैंक, स्टार्ट-अप-स्टैंड अप, उड़ाने योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम, मेरा देश-मेरा गौरव, डिजिटल साक्षरता मिशन, उज्ज्वला, जननी शिशु सुरक्षा, मातृत्व सुरक्षा अभियान, किलकारी, माँ, अतिथि देवो भवः, आदि अनेकों अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण विकास करने को प्रयासरत है।

वास्तव में यह संकल्पना ही उज्ज्वल भारत की तस्वीर प्रस्तुत करती है। जहां स्मार्ट गांव व स्मार्ट शहर ~~स्मार्ट गांव व~~ मिलकर स्मार्ट व विकसित भारत को चरितार्थ कर सकते हैं।

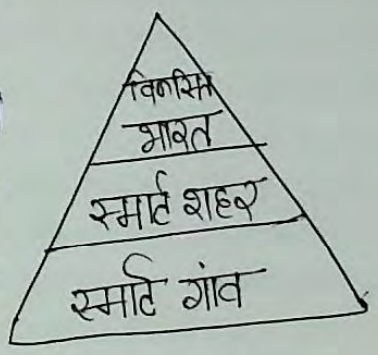

इस परिकल्पना को वास्तविकता में परिवर्तित करने हेतु सरकार के साथ-साथ निजी सेक्टर व आम जनता, गैर सरकारी संगठन, सिविल सोसाइटी सभी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अर्थात् 4पी मॉडल (पब्लिक, प्राइवेट, पीपुल्स पार्टनरशिप) के आधार पर

- सामुदायिक विकास कार्यक्रम, ग्राम पंचायतों की स्थापना
- हरित व दुग्ध क्रांति
- सामाजिक कार्यक्रम
- मनरेगा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ग्रामीण प्रकृति को बचाए रखते हुए आधुनिकृत, विकसित गांव का निर्माण किया जा सकता है।

निबंध संदर्भ में पूरा नहीं लिखा जा सका है।

25

Copyright – Drishti The Vision Foundation